डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय

अवध अभिव्यक्ति

विश्वविद्यालय की ई–मासिक पत्रिका

15, जनवरी, 2021
वर्षः 04, अंक–03

गीता का ज्ञान जीवन में सकारात्मक भाव लाता है : डॉ0 चैतन्य 03

स्वच्छता सामाजिक जीवन की एक अनिवार्य दिनचर्या है : कुलपति 04

स्वामी विवेकानन्द का व्यक्तित्व देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत है : कुलपति

12 जनवरी। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानन्द सभागार के प्रांगण में स्थित विवेकानन्द की प्रतिमा पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के साथ–साथ अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि आज देश स्वामी विवेकानन्द की जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मना रहा है। उनका व्यक्तित्व पूरे भारत के लिए प्रेरणा देने वाला है। विश्व पटल पर भारत को स्थापित करने का श्रेय स्वामी जी को जाता है। स्वामी जी की प्रतिमा पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी धनंजय सिंह, कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह, प्रो0 नीलम पाठक, प्रो0 आर0 के0 तिवारी, प्रो0 एस0 एस0 मिश्र, प्रो0 के0के0 वर्मा, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा, उपकुलसचिव विनय कुमार सिंह, डॉ0 महेन्द्र पाल सिंह, डॉ0 त्रिलोकी यादव, डॉ0 अनुराग पाण्डेय, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष राजेश पाण्डेय, गिरीशचंद पंत, सुरेन्द्र प्रसाद सहित बड़ी संख्या में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया।

विश्वविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग एवं विवेकानन्द केंद्र कन्याकुमारी, शाखा अयोध्या के संयुक्त तत्वावधान में भी स्वामी विवेकानन्द की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रो0 संत शरण मिश्र ने स्वामी विवेकानन्द को स्मरण करते हुए बताया कि आज एक भारतीय युवा जो विश्व का सबसे बुद्धिमान युवा कहलाता है, के जन्म दिवस को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाते

है। विवेकानन्द ने शिकागो में विश्व धर्म संसद में भारत की साख को एक नई प्रतिष्ठा प्रदान की। हम सभी उनके बताए हुए अच्छे मूल्य, भारतीय दर्शन, अध्यात्म तथा मानवता की सेवा के उन बिंदुओं को अपने जीवन में आत्मसात करें जिससे ना केवल स्वयं का बल्कि समाज का गुणात्मक सुधार संभव हो सके।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विवेक सृष्टि योग केंद्र के निदेशक डॉ0 चैतन्य ने कहा कि आज के युवा की सबसे बड़ी समस्या उसका बिगड़ा हुआ शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक स्वास्थ्य है। युवा वर्ग की यह समस्या कोई चिकित्सक नहीं ठीक कर सकता, जब तक कि युवा अपने समग्र विकास के लिए तथा जीवन लक्ष्य की प्राप्ति करने के लिए स्वयं संकल्पित न हो। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानन्द की पुस्तकों तथा श्रीमद्भागवद् गीता का नियमित स्वाध्याय करें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में कम से कम एक लक्ष्य लेकर आगे बढ़े।

कार्यक्रम में विभाग के प्रो0 एस0 के0 रायजादा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने जहां भारत भूमि के गौरव को विश्व मंच पर सिद्ध किया, वहीं स्वतंत्रता संग्राम का सूत्रपात भी किया। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर कई युवा व उस समय के कई बुद्धिजीवी, संत सुधारक स्वतंत्रता संग्राम में उभर कर आये।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय युवा दिवस की पूर्व संध्या पर एम0 एससी0 प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष तथा शोध छात्रों द्वारा स्वामी विवेकानन्द के जीवन एवं कार्य विषय पर एक व्याख्यान प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें प्रथम स्थान पर एम0 एससी0 प्रथम वर्ष के छात्र हर्षित भास्कर तिवारी द्वितीय स्थान पर एम0 एससी0 उत्तरार्द्ध के विनोद शर्मा तथा तीसरे स्थान पर एम0 एससी0 पूर्वार्द्ध के शुभम शुक्ला तथा सांत्वना पुरस्कार एम0 एससी0 प्रथम वर्ष के छात्र प्रदीप राजभर को प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन रमा पांडे एवं अवंतिका मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में रामकुमार गुप्ता, श्रवण कुमार तिवारी योगोपचार विभाग से आलोक तिवारी, अनुराग सोनी, गायत्री वर्मा, दिवाकर पांडे एवं विभाग के शोध छात्र सहित अन्य उपस्थित रहे।

बिना गणित के ब्रह्मांड की समग्रता का ज्ञान अधूरा है : कुलपति

भौतिक एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में भी मनायी गयी महान गणितज्ञ रामानुजन की जयंती

22 दिसम्बर । डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग में महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने बताया कि गणित उनके प्रिय विषय के रूप में रहा। अध्ययन के दौरान गणित में उनका श्रेष्ठ रहा। इसी कारण वे सभी शिक्षकों के प्रिय रहे। कुलपति ने कहा कि जन्म से लेकर मृत्यु तक प्रत्येक व्यक्ति का सम्बन्ध गणितीय प्रक्रियाओं से जुड़ा है। बिना गणित के ब्रह्मांड की समग्रता का ज्ञान अधूरा है। कुलपति ने अपने उद्बोधन में कहा कि रामानुजन के जन्म दिवस पर उनके गणित पर किए गए बहुमूल्य शोधों एवं सिद्धान्तों पर प्रत्येक भारत–वासी को गर्व है। इनके सम्मान में गणित एवं सांख्यिकी विभाग में श्रीनिवास रामानुजन शोध पीठ की स्थापना किए जाने की घोषणा की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे गणित एवं सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष एवं विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो0 सी0 के0 मिश्र ने रामानुजन के बाल्य जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रामानुजन बाल्यकाल से ही मेधावी प्रतिभा के धनी थे। वे प्राथमिक शिक्षा से ही गणित विषय में अपनी अद्वितीय प्रतिभा से शिक्षकों को हतप्रभ कर देते थे। कठिन से कठिन गणित के सवालों का उत्तर बेहद सहज एवं सजग भाव से देना उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन गया। सभी भारतीयों के लिए यह गौरव का विषय है कि रामानुजन जैसे गणितज्ञ भारत की धरती पर जन्में हैं। उन्होंने बताया कि आज का दिन गणित की विलक्षण प्रतिभा को याद करने का दिन है और उनके प्रति श्रद्धा और विनय प्रकट करने का समय है। श्रीनिवास रामानुजन ने समूचे विश्व में भारत का मस्तक ऊंचा किया है। उनको सम्मान देना पूरे भारतीय नागरिकों का नैतिक दायित्व एवं कर्तव्य है।

रामानुजन के जन्म दिवस पर विभाग में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर स्वप्निल पटेल, द्वितीय पर पूनम वर्मा एवं तृतीय स्थान अवंतिका मिश्रा, शिखा, प्रदीप एवं उमा निषाद रहीं। पी0पी0टी0 प्रस्तुति में प्रथम स्थान स्वाति श्रीवास्तव, द्वितीय आभाष कुमार तथा तृतीय पंकज कुमार शुक्ल और संगीता गौतम ने प्राप्त किया। कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह द्वारा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का

संचालन विभाग के शिक्षक डॉ0 अभिषेक सिंह द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन विभाग के प्रो0 एस0 के0 रायजादा ने किया। कार्यक्रम में डॉ0 संदीप रावत, डॉ0 संजीव कुमार सिंह, डॉ0 अनुराग सोनी सहित छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य पर भौतिक व इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के सेमिनार हॉल में भी एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने कहा कि इस दिन महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन जन्म हुआ था। उनकी उपलब्धियों को सम्मान देने के लिए हम उनकी जयंती मनाते है। उन्होंने शिक्षकों एवं छात्रों से कहा कि रामानुजन के गणित के क्षेत्र में किए गए शोध व उपलब्धियों को भुलाया नहीं जा सकता और उनके जीवन व कार्यों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। इसके साथ ही कुलपति ने विश्वविद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर बल दिया।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय के पूर्व प्रति कुलपति प्रो0 एस0 एन0 शुक्ल ने भारत की विज्ञान आधारित प्राचीन परम्पराओं और गणित के क्षेत्र में आधारभूत उपलब्धियों से अवगत कराया। इसके साथ ही उन्होंने सभी छात्रों को रामानुजन की महान उपलब्धियों पर गौरवान्वित होने के लिए प्रेरित किया। विभागाध्यक्ष प्रो0 अनुपम श्रीवास्तव ने रामानुजन के जीवन संघर्ष व सीमित संसाधनों के बीच विश्व स्तर पर गणित के क्षेत्र में किये गए अभूतपूर्व कार्यों पर प्रकाश डाला व छात्रों को प्रेरणा प्रदान की। बी0एस0सी प्रोग्राम के समन्वयक प्रो0 के0के0 वर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी आगंतुकों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि कुलपति प्रो0 सिंह के निर्देशन में कार्यक्रम किया जा रहा है। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो0 सिंह द्वारा विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम का संचालन गणित विषय के शिक्षक डॉ0 संजीव कुमार सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन विभाग के शिक्षक डॉ0 अश्विनी कुमार द्वारा किया गया।

इस अवसर पर प्रो0 आर0 के0 तिवारी, प्रो0 एस0 आर0 विश्वकर्मा, डॉ0 सिंधु सिंह, डॉ0 गीतिका श्रीवास्तव, डॉ0 अनिल कुमार, डॉ0 जीतेन्द्र श्रीवास्तव, डॉ0 ज्ञानेश्वर कुमार गुप्ता, निधि अस्थाना, रजत चौरसिया, डॉ0 अरविन्द बाजपेयी, डॉ0 संजीव श्रीवास्तव सहित बीएससी के समस्त छात्र–छात्राओं की उपस्थित रही।

जेन्डर असमानता महिला सशक्तीकरण में बाधक : जया

28 दिसम्बर । महिलाओं को आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ बनाना ही महिला सशक्तीकरण है। केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं को राजनैतिक, सामाजिक एवं कानूनी रूप से जागरूक किया जा रहा है। अगर महिलाएं जागरूक हो गई तो निश्चित रूप से समाज में अपनी पहचान बनायेगी। उक्त वक्तव्य डिप्टी एसपी, क्राइम ब्रांच सीआईडी, लखनऊ की जया शांडिल्य ने डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के वीमेन ग्रीवेंस एवं वेलफेयर सेल द्वारा आयोजित मिशन शक्ति अभियान में महिला सशक्तीकरण एवं सुरक्षा विषय पर कही। उन्होंने कहा कि जेन्डर असमानता केवल भारत की समस्या नहीं है बल्कि पूरे विश्व की एक ज्वलंत समस्या है जो महिला सशक्तीकरण के विकास में एक बाधा है। इन सभी से हम सभी को उबरने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वह समय आ गया है कि समाज में महिलाओं को जागृत किया जाये। उनके जागृत होने से परिवार प्रगति के साथ देश आगे बढ़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने बालिकाओं से सोशल मीडिया के हानिकारक पक्षों एवं साइबर अपराध से बचने की सलाह दी।

वीमेन ग्रीवेंस एवं वेलफेयर सेल की समन्वयक प्रो0 तुहिना वर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के सेल द्वारा प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति अभियान के तहत श्रृंखलाबद्ध वेबिनार का आयोजन हो रहा है। इसमें विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के दिशा–निर्देशन में किया जा रहा है। कार्यक्रम में सेल की उपसमन्वयक डॉ0 सिंधु सिंह ने अतिथि का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं तभी सशक्त हो सकेगी जब वे अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक हो।

वेबिनार का संचालन सेल की सदस्य डॉ0 प्रतिभा त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, डॉ0 सरिता द्विवेदी, मनीषा यादव, डॉ0 महिमा चौरसिया, निधि अस्थाना, नीलम मिश्रा, वल्लभी तिवारी सहित शिक्षक एवं प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे।

मंथन

15 जनवरी, 2021: पौष शुक्ल पक्ष, द्वितीया, विक्रम संवत् 2077

'कलम, कसम और कदम हमेशा सोच समझकर ही उठाना चाहिए'

उम्मीदों का वर्ष

नया वर्ष नई उम्मीद, नई शुरुआत और नए संकल्पों की सौगात लेकर आता है। हर नए साल पर हम अपनी जिंदगी में कुछ नया करने की उम्मीद के साथ आगे बढ़ते हैं। इस नए वर्ष का इंतजार सबको बड़ी बेसब्री से था क्योंकि सबको यह लग रहा था कि नया वर्ष आने से पिछले वर्ष की दुश्वारियां समाप्त हो जाएंगी क्योंकि बीता वर्ष 2020 एक महामारी के रूप में याद किया जाएगा। एक ऐसी महामारी जिसका अभी तक इलाज संभव नहीं हो पाया है। शताब्दियों बाद आई ऐसी महामारी ने पूरे विश्व को तहस–नहस कर दिया। दुनिया की रफ्तार को रोक सा दिया था। एक ऐसा वर्ष जिसको कोई याद नहीं रखना चाहेगा। इस बीमारी की भयावहता ने विश्व के सबसे ताकतवर देश को भी घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। कोरोना महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित अमेरिका रहा और सबसे ज्यादा मृत्यु भी वहीं हुई। इस महामारी में बहुतों ने अपनों को खोया है। इस बीमारी के इस तरह फैलने का मुख्य कारण बचाव के उपाय का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन न करना। इस बीमारी में सावधानी ही बचाव का उपाय है। इस बीमारी की वैक्सीन शुरुआती दौर में कुछ ही लोगों तक अभी पहुंच पाएगी। इसलिए बीमारी से बचने के उपायों को पूरी तरह से अपने जीवन में लागू रखना चाहिए जैसे– मास्क लगाना, हाथ धोना, सैनिटाइजर का उपयोग करना, सामाजिक दूरी का पालन करना आदि। अभी भी यह बीमारी पूरी तरह से खत्म नहीं हुई है, इसके अभी नये रूप भी सामने आ रहे हैं। यह बीमारी नये वर्ष में ना फैले इसके लिए हमें जागरूकता का परिचय देना होगा, नहीं तो नया वर्ष भी पिछले वर्ष की तरह बीमारी के रूप में ही समाप्त हो जाएगा। नया वर्ष नये सपने लेकर आता है और उन सपनों को साकार करना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि उठो, जागो और तब तक मत रूको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए। कुछ फार्मास्युटिकल्स कंपनियां दवा बनाने का दावा कर रही है। जिनकी सफलता आंकी जानी शेष है। सभी देशवासियों को अपनी जिम्मेदारी का एहसास होना होगा तभी हम अपने देश को विकास की राह पर ले सकते हैं और विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़े हो सकते हैं।

जीवन में सकारात्मकता का प्रतीक है मकर संक्रांति

राधा गोस्वामी

भारत में हर त्योहार के लिए लोगों में एक अलग ही उत्साह देखने को मिलता है। भारत के प्रमुख त्योहारों में एक त्योहार मकर संक्रांति भी है। मकर संक्रांति पूरे भारत वर्ष और नेपाल में किसी न किसी रूप में मनाया जाने वाला त्योहार है। यह त्योहार जनवरी माह के 14 वें या 15 वें दिन मनाया जाता है। पौष मास में जब सूर्य मकर राशि पर आता है तभी इस पर्व को मनाया जाता है। इस दिन सूर्य धनु राशि को छोड़कर मकर राशि में प्रवेश करता है। मकर संक्रांति को कई नामों से जाना जाता है जैसे खिचड़ी, लोहड़ी, पोंगल आदि। तमिलनाडु में यह त्योहार पोंगल नाम से प्रख्यात है। जबकि कर्नाटक, केरल तथा आंध्र प्रदेश में इसे केवल संक्रांति ही कहते हैं। पंजाब में इसे लोहड़ी के नाम से जाना जाता है। कहीं–कहीं इस पर्व को उत्तरायणी भी कहते हैं। उत्तर प्रदेश में इसे मुख्य रूप से दान का पर्व भी कहा जाता है। प्रयागराज में गंगा, यमुना व सरस्वती के संगम पर प्रत्येक वर्ष एक माह तक माघ माह में मेला लगता है। जिसे माघ मेला के नाम से जाना जाता है।

शास्त्रों के अनुसार दक्षिणायन को देवताओं की रात्रि अर्थात नकारात्मकता का प्रतीक तथा उत्तरायण को देवताओं का दिन अर्थात सकारात्मकता का प्रतीक माना गया है इसलिए इस दिन जप, तप, दान, स्नान आदि धार्मिक क्रियाकलापों का विशेष महत्व है। ऐसी धारणा है कि इस अवसर पर दिया गया दान सौ गुना बढ़कर पुनः प्राप्त होता है। इस दिन शुद्ध घी एवं कंबल का दान मोक्ष की प्राप्ति करवाता है।

मकर संक्रांति के दिन गंगा स्नान एवं गंगा तट पर दान को अत्यंत शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान सूर्य अपने पुत्र शनि से मिलने उनके घर जाते हैं चूंकि शनि मकर राशि के स्वामी है इसलिए इस दिन को मकर संक्रांति के नाम से जाना जाता है। कहा जता है कि महाभारत काल में भीष्म पितामह ने अपनी देह त्यागने के लिए मकर संक्रांति के दिन का ही चयन किया था। मकर संक्रांति के दिन ही गंगा जी भागीरथ के पीछे

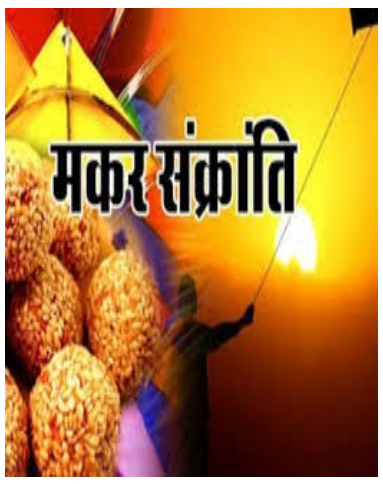

पीछे चल कर कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई सागर में जाकर मिल गई थी।

इस दिन सुबह जल्दी उठकर लोग तिल का उबटन कर स्नान करते हैं इसके अलावा तिल और गुड़ के लड्डू एवं अन्य व्यंजन भी बनाए जाते हैं। इस दिन सुहागन महिलाएं सुहाग की सामग्री का आदान–प्रदान भी करती है। ऐसा माना जाता है कि ऐसा करने से पति की आयु लंबी होती है। हर प्रांत में इसका नाम और मनाने का तरीका अलग अलग होता है। अलग–अलग मान्यताओं के अनुसार इस पर्व के पकवान भी अलग–अलग होते हैं। परंतु वर्तमान में खिचड़ी इस पर्व की विशेष पहचान बन चुकी है। ज्यादातर स्थानों पर इस दिन खिचड़ी बनाना शुभ माना जाता है। उड़द और चावल का दान भी शुभ माना जाता है।

मान्यताओं के अनुसार मकर संक्रांति पर्व का एक उत्साह और भी है। इस दिन पतंग उड़ाने का भी विशेष महत्व है। बच्चे पतंग उड़ाने के लिए इस दिन का बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस दिन लोग पतंगबाजी के बड़े–बड़े आयोजन करते हैं। पतंगबाजी लोगों के उल्लास का एक अनोखा माध्यम है। पतंग के मांझे की डोर से आकाश में उड़ रहे पक्षियों की मृत्यु भी हो जाती है इसीलिए त्योहार के उत्साह के साथ साथ हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि हमारे उत्साह की वजह से किसी अन्य जीव को नुकसान ना पहुंचे। हमें सभी जीवों को ध्यान में रखकर अपने त्योहारों को मनाना चाहिए।

लोकपर्व है गणतंत्र दिवस

आशीष त्रिपाठी

गणतंत्र दिवस भारत के राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस भारत के गणतंत्र बनने की खुशी में मनाया जाता है । 26 जनवरी, 1950 के दिन भारत को एक गणतांत्रिक राष्ट्र घोषित किया गया था । इसी दिन डॉ0 भीम राव अम्बेडकर द्वारा लिखित स्वतंत्र भारत का संविधान अपनाकर नए युग का सूत्रपात किया गया था । यह हर भारतीय जनता के लिए स्वाभिमान का दिन था। संविधान के अनुसार डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति बने। जनता ने देश भर में खुशियाँ मनाई। तब से 26 जनवरी को हर वर्ष गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है।

26 जनवरी का दिन भारत के लिए गौरवमय दिन है । इस दिन देश भर में विशेष कार्यक्रम होते हैं । विद्यालयों, कार्यालयों तथा सभी प्रमुख स्थानों में राष्ट्रीय झंडा तिरंगा फहराने का कार्यक्रम होता है। बच्चे इनमें उत्साह से भाग लेते हैं। लोग एक–दूसरे को बधाई देते हैं। स्कूली बच्चे जिला मुख्यालयों, प्रांतों की राजधानियों तथा देश की राजधानी के परेड में भाग लेते हैं। विभिन्न स्थानों में सांस्कृतिक गतिविधियाँ होती हैं। लोकनृत्य, लोकगीत, राष्ट्रीय गीत तथा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम होते हैं। देशवासी देश की प्रगति का मूल्यांकन करते हैं। राष्ट्रीय पर्व होने के नाते इसे हर धर्म, संप्रदाय और जाति के लोग मनाते हैं। देश के प्रधानमंत्री द्वारा इंडिया गेट पर अमर जवान ज्योति का अभिनंदन करने के साथ ही उन्हें श्रद्धा सुमन

अर्पित किया जाता है।

आज यह आजादी हमें शहीदों के कारण मिली जिन्होंने अपनी जान देश के लिए समर्पित कर दिया। इस दिन भारत के राष्ट्रपति राष्ट्र को संबोधित करते हैं। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजपथ पर परेड में तीनों सेना के प्रमुखों द्वारा राष्ट्रपति को सलामी दी जाती है एवं सेना द्वारा प्रयोग किए जाने वाले हथियार, प्रक्षेपास्त्र एवं शक्तिशाली टैंकों का प्रदर्शन किया जाता है एवं परेड के माध्यम से सैनिकों की शक्ति और पराक्रम को बताया जाता है।

'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' : नेताजी

अभिषेक दूबे

नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारत के एक महान देशभक्त, क्रांतिकारी व स्वतंत्रता सेनानी थे। नेताजी सुभाष चंद्र बोस एक ऐसे क्रांतिकारी थे जिन्होंने अपनी मातृभूमि को आजादी दिलाने के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया। सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 में उड़ीसा के कटक में हुआ। कोलकाता प्रेसीडेंसी कॉलेज से नेताजी सुभाष ने अपनी मैट्रिक परीक्षा पास की और कोलकाता विश्वविद्यालय से उन्होंने दर्शनशास्त्र से स्नातक पूरा किया।

नेताजी ने बाद में इंग्लैंड जाकर भारतीय सिविल सेवा की परीक्षा पास किया। नेताजी अंग्रेजों द्वारा देशवासियों पर क्रूर बर्ताव और उनकी दयनीय स्थिति को देख कर बहुत अधिक दुःखी थे।सुभाष चंद्र बोस ने अपनी मातृभूमि की आजादी के लिए भारतीय सिविल सेवा को छोड़ दिया। वे देशबंधु चितरंजन दास से प्रभावित होकर असहयोग आंदोलन से जुड़ गए। कालान्तर में वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। बाद में वैचारिक मतभेदों के कारण नेता जी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी को छोड़ दिया। कांग्रेस पार्टी को छोड़ने के बाद बोस ने अपनी 'फारवर्ड ब्लाक' नामक पार्टी की स्थापना की।

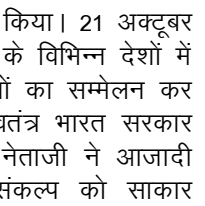

उन्होंने 5 जुलाई 1943 को 'आजाद हिन्द फौज' का गठन किया। 21 अक्टूबर 1943 को एशिया के विभिन्न देशों में रहने वाले भारतीयों का सम्मेलन कर उसमें अस्थायी स्वतंत्र भारत सरकार की स्थापना कर नेताजी ने आजादी प्राप्त करने के संकल्प को साकार किया। 12 सितंबर 1944 को रंगून के जुबली हॉल में शहीद यतीन्द्र दास के स्मृति दिवस पर नेताजी ने अत्यंत मार्मिक भाषण देते हुए कहा– 'अब हमारी आजादी निश्चित है, परंतु आजादी बलिदान मांगती है। तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा।' यही देश के नौजवानों में प्राण फूंकने वाला वाक्य था, जो भारत ही नहीं विश्व के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया।

नेताजी के द्वारा ही गांधी जी को 'राष्ट्रपिता' कहा गया। कभी नकाब और चेहरा बदलकर अंग्रेजों को धूल चटाने वाले नेताजी की मौत भी बड़ी रहस्यमयी तरीके से हुई। 18 अगस्त, 1945 में नेताजी हवाई जहाज से मंचूरिया की तरफ जा रहे थे। इस सफर के दौरान वे लापता हो गए। इस दिन के बाद वे कभी किसी को दिखाई नहीं दिए। 23 अगस्त, 1945 को जापान की दोमेई खबर संस्था ने दुनिया को खबर दी कि 18 अगस्त के दिन नेताजी का हवाई जहाज ताइवान की भूमि पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और उस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होकर नेताजी ने अस्पताल में अंतिम सांस ली, लेकिन आज भी उनकी मौत को लेकर कई शंकाएं जताई जाती हैं।

सुविचार

चिंतन करो, चिंता नहीं, नए विचारों को जन्म दो।

– स्वामी विवेकानन्द

जन–अभिव्यक्ति

ई–मासिक पत्रिका अवध अभिव्यक्ति, विश्वविद्यालय परिसर की गतिविधियों का दस्तावेज है। भारतीय नौ सेना का इतिहास, पर्वतों का संरक्षण एवं उर्जा संरक्षण विषय पर लेख बहुत ही सामयिक एवं तथ्यपरक रहे।

– रोशनी कुमारी

आप सुधी पाठकों के विचार सादर आमंत्रित हैं।

avadhabhivyakti@gmail.com

प्रमुख संरक्षक
प्रो0 रवि शंकर सिंह
संरक्षक
डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, समन्वयक
प्रकाशक
श्री उमानाथ, कुलसचिव
सम्पादक मण्डल
डॉ0 राजेश सिंह कुशवाहा
डॉ0 अनिल कुमार विश्वा
डॉ0 राज नारायण पाण्डेय
संकलन एवं सम्पादन
राधा, अभिषेक, आशीष

Feedback

avadhabhivyakti@gmail.com

डिस्क्लेमर : ई–पत्रिका का प्रकाशन पूरी तरह से शैक्षणिक विकास को समर्पित है, इसका कोई भी व्यावसायिक हित नहीं है। सर्वाधिकार @ डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या।

गीता का ज्ञान जीवन में सकारात्मक भाव लाता है : डॉ0 चैतन्य

26 दिसम्बर। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योग विज्ञान संस्थान के योग विभाग में गीता जयंती समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि आज हिन्दू पंचांग के अनुसार मार्गशीष शुक्ल पक्ष मोक्षदा एकादशी को गीता जयन्ती का पर्व अनेक मायनों में बहुत विशेष है। आज ही के दिन भगवान श्रीकृष्ण ने गीता के उस गूढ़ ज्ञान को अर्जुन को प्रदान किया था जो कि अनन्त काल तक मानव समाज का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। आज ही के दिन महामना पंडित मदनमोहन मालवीय व भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती भी है।

कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने श्रीमद्भागवत गीता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अर्जुन और कोई नहीं बल्कि हम सभी का वह मन है जो सत्य मार्ग पर चलना चाहता है किन्तु काम, क्रोध, लोभ, मोह, आलस्य, अज्ञानता के बंधन उसे आगे बढ़ने नहीं देते। श्रीकृष्ण और कोई नहीं है बल्कि हमारी आत्मा में विराजित वह प्रेरणा शक्ति है जो इस शरीर रुपी रथ का कुशल संचालन कर रही है। फल की इच्छा रहित कर्म ही श्रेष्ठ कर्म है जो मानव जीवन को प्रगति के मार्ग पर ले जाती है।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विवेक सृष्टि योग संस्थान के अध्यक्ष डॉ0 चैतन्य ने गीता के विषद् ज्ञान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार से गीता के गूढ़ ज्ञान को हम अपने व्यावहारिक जीवन में अपना कर सुखी समुन्नत एवं आदर्श जीवन को जी सकते हैं। उन्होंने बताया कि गीता में 700 श्लोक 18 अध्याय हैं, जो जीवन में सकारात्मक भाव लाने में तथा जीवन को श्रेष्ठतम आयामों तक ले जाने में सक्षम है। उन्होंने बताया कि जो मानवता के सच्चे उपासक हैं उन सभी व्यक्तियों को गीता का स्वाध्याय, पठन–पाठन, एवं अपने चिंतन व आचरण में आह्वान करना चाहिए। श्रीमद्भागवद्गीता हमें ज्ञान, कर्म, भक्ति एवं जीवन के प्रति पूर्ण निष्ठावान बनाती है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि जीवन विद्या के आलोक केंद्र देव संस्कृति विश्वविद्यालय, शांतिकुंज हरिद्वार के डॉ. राकेश वर्मा ने श्रीमद्भागवत गीता के व्यावहारिक सूत्रों को बताते गुए कहा कि श्रीमद्भागवद् गीता का ज्ञान केवल अध्ययन अध्यापन तक सीमित नहीं होना चाहिए अपितु जीवन के प्रत्येक क्षण में प्रत्येक कर्म में इसका समावेश होना चाहिए। यदि गीता के समस्त सिद्धांतों में से कोई एक छोटा सा सूत्र भी व्यक्ति सच्चे मायनों में जीवन में अपना ले तो निश्चित ही उसका जीवन स्वर्णिम इतिहास में लिखा जाने योग्य हो जाएगा। प्रत्येक मनुष्य के कर्मो का फल मिलना निश्चित है। अतः भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कर्म को योग बनाने का सरलतम मार्ग प्रशस्त किया है जो कि कर्म योग के रूप में विख्यात है।

कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षा खेल एवं योग विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो0 एस0 एस0 मिश्र ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में श्रीमद्भागवद् गीता का भारत के साथ–साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रचार–प्रसार हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत बड़े पैमाने पर विदेशी भाई–बहन गीता के अनुयायी बने हैं। उन्होंने गीता का संदेश देते हुए कहा कि यदि मनुष्य परम ब्रह्म परमात्मा पर पूर्ण विश्वास रखते हुए फल की आसक्ति छोड़कर कर्म करें तो उसके योग एवं क्षेम की रक्षा स्वयं विधाता करते हैं। भगवान कृष्ण ने अर्जुन को अपना माध्यम बनाकर जो दिव्य ज्ञान दिया वह वर्तमान समय में उत्पन्न समस्त समस्याओं के लिये उतना ही उपयोगी है जितना उस समय था। वर्तमान समय में जीवन शैली की विकृति से उत्पन्न जो समस्याएं हैं उनका समाधान श्रीमद्भागवद्गीता में समाहित है।

कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। अतिथियों का स्वागत पुष्प–गुच्छ एवं अंगवस्त्रम भेंटकर किया गया। कार्यक्रम का संचालन आलोक तिवारी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन अनुराग सोनी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो0 चयन कुमार मिश्र सहित शारीरिक शिक्षा खेल एवं योग विज्ञान संस्थान के शिक्षक आलोक कुमार, गायत्री वर्मा सहित समस्त कर्मचारी एवं विद्यार्थीगण उपथित रहे।

वाजपेयी के जीवन एवं आदर्शों को आत्मसात् करने की आवश्यकता हैः कुलपति

23 दिसम्बर । डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में भारत रत्न एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में हुई प्रतियोगिता के विजेताओं को कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह द्वारा पुरस्कृत किया गया। निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी0 एससी0 की प्रकृति मिश्रा ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान एम0 एससी0 फिजिक्स एवं इलेक्ट्रॉनिक्स की छात्रा अंजली वर्मा एवं जनसंचार एवं पत्रकारिता के शशांक पाठक को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। चित्रकला प्रतियोगिता में फाइन आर्ट्स की अंजली यादव प्रथम, प्रीति मौर्या द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आकृति पाण्डेय रही।

कविता–पाठ में एग्री मैनेजमेंट के अभिषेक कुमार पाण्डेय प्रथम, एम0 ए0 हिन्दी की अल्पना तिवारी द्वितीय एवं एम0 एससी0 माइक्रोबायोलॉजी के सुहाष कुमार तृतीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर कुलपति ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन एवं आदर्शों को आत्मसात् करने की आवश्यकता है। वे सदैव देश के प्रति समर्पित रहे। पत्रकार एवं कवि होने के साथ अच्छे राजनीतिज्ञ भी थे।

विश्वविद्यालय अधिष्ठाता छात्र–कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि वाजपेयी जी देश की दिशा–दशा में सकारात्मक परिवर्तन के पक्षधर थे। वे सदैव हम सभी के लिए अविस्मरणीय रहेंगे। उन्होंने बताया कि कुलपति के निर्देश पर प्रचेता भवन में प्रातः 11 बजे निबन्ध, चित्रकला एवं काव्य पाठ की प्रतियोगिता आयोजित की गई।

इस प्रतियोगिता में परिसर के विभिन्न विभागों के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मॉ सरस्वती की प्रतिमा एवं वाजपेयी जी के चित्र पर माल्यार्पण करके किया गया। उसके उपरांत अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्व–रचित कविता का वीडियो दि खाया गया।

कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर शाम्भवी शुक्ला ने किया। इस अवसर मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह, प्रो0 चयन कुमार मिश्र, प्रो0 एस0एस0 मिश्र, प्रो0 राजीव गौड़, प्रो0 आर0के0 सिंह प्रो0 अनुपम श्रीवास्तव, प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, प्रो0 गंगाराम मिश्र, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा, प्रो0 अनूप कुमार, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, डॉ0 गीतिका श्रीवास्तव, डॉ0 श्रीश अस्थाना, डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ0 राजेश सिंह कुशवाहा, डॉ0 डी0एन0 वर्मा, डॉ0 मुकेश वर्मा, डॉ0 महेन्द्र पाल, डॉ0 आर0 एन0 पाण्डेय, डॉ0 अनिल कुमार विश्वा, अनुराग सोनी सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं की उपस्थिति रही।

अनुशासित रहकर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता हैः कुलपति

18 दिसम्बर। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में आई0ई0टी0 द्वारा आयोजित पांच दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम का समापन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि छात्र जीवन को बेहतर बनाने के लिए नियमित रूप से अध्ययन करने के साथ–साथ सीखने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। संवाद दक्षता को प्राप्त करने के लिए समाचार–पत्रों का अध्ययन, प्रतियोगी पत्रिकाओं से समसामयिक विषयों पर अपडेट रहना होगा। कुलपति ने कहा कि जीवन शैली में अनुशासित रहकर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में एक स्वस्थ परिवेश के निर्माण में भागीदार बनकर योगदान करे। विश्वविद्यालय में अनुशासित एवं आचारशील बनकर अपनी प्रतिभा का निर्माण करें।

कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने छात्र–छात्राओं को कल्याण–कारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। एन0सी0सी0 प्रमुख प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने अनुशासित छात्र जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एन0सी0सी0 छात्रों को अनुशासित एवं धैर्यशील बनाती है। चिकित्साधिकारी डॉ0 दीपशिखा चौधरी ने कोविड–19 से बचाव के उपायों पर व्यापक चर्चा की। संस्थान के निदेशक प्रो0 रमापति मिश्र ने सभी अतिथियों एवं पदाधिकारियों का स्वागत किया। नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं को पाठ्यक्रम से सम्बन्धित पक्षों की जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम की समन्वयक डॉ0 महिमा चौरसिया ने बताया कि पांच दिवसीय कार्यक्रम में नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं के लिए विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों के साथ खेल–कूद, आर्ट ऑफ लिविंग एवं योगा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह द्वारा प्रमाण–पत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मनीषा यादव ने किया।

अंग्रेजी विभाग के प्रथम बैच का हुआ विदाई समारोह

08 जनवरी। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के प्रचेता भवन में स्थित अंग्रेजी विभाग के प्रथम बैच के विदाई समारोह एवं तृतीय नवीन बैच के आगमन पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह रहे। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने कहा कि अपने जीवन के प्रत्येक अनुभव से अच्छाई ग्रहण करनी चाहिए। इसके लिए मानव–मूल्यों को सदा महत्व देना होगा। कुलपति ने विद्यार्थियों को जीवन में सफलता अर्जित करने की प्रेरणा प्रदान की। इससे पूर्व अंग्रेजी विभाग के समन्वयक प्रो0 प्रदीप खरे ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों को अंग्रेजी साहित्य एवं भाषा में सफलता के सुझाव दिए। इस अवसर पर डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ0 असीम त्रिपाठी, डॉ0 मीनू दूबे, डॉ0 नीता पाण्डेय, डॉ0 जन्मेजय तिवारी, डॉ0 निखिल उपाध्याय एवं शशांक मिश्र उपस्थित रहे।

टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण के लिए पंजीकरण सम्पन्न

16 दिसम्बर। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं नगर निगम अयोध्या के बीच गत माह अनुबन्ध किया गया था। इस अनुबन्ध के तहत अयोध्या के लिए स्थानीय टूरिस्ट गाइड का प्रशिक्षण दिया जाना है। इसका प्रशिक्षण जनवरी 2021 के द्वितीय सप्ताह से प्रारम्भ होगा।

विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबन्धन एवं उद्यमिता विभाग के अध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो0 अशोक शुक्ला ने बताया कि डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं नगर निगम, अयोध्या के बीच अनुबन्ध हुआ था, जिसमें अयोध्या के स्थानीय टूरिस्ट गाइड का प्रशिक्षण होना है। इसके लिए पूर्व में गाइड प्रशिक्षण के लिए आनलाइन आवेदन मंगाया गया था, जिसमें कुल 246 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। आनलाइन साक्षात्कार में 106 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया था। प्रो0 शुक्ला ने कहा कि चयनित अभ्यर्थियों का पंजीकरण हो गया है।

प्रो0 शुक्ला ने बताया कि अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण स्थानीय विशेषज्ञ के साथ–साथ प्रदेश एवं देश के विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। प्रशिक्षण के उपरान्त इनको एक प्रमाणपत्र नगर निगम, अयोध्या एवं डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संयुक्त रूप में प्रदान किया जायेगा। प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को परिचय पत्र नगर निगम, अयोध्या द्वारा प्रदान किया जायेगा। प्रो0 शुक्ला ने बताया कि नगर आयुक्त से हुई वार्ता के अनुसार अयोध्या में पर्यटन के लिए एक मोबाइल एप बनाया जायेगा। उस एप के माध्यम से दर्शनार्थियों को अयोध्या के दर्शनीय स्थल, होटल एवं अन्य उपयोगी तथ्यों एवं धरोहरों के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।

कुलपति ने गीता महोत्सव के लिए 5001 दीए भेंट किए

19 दिसम्बर। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने हरियाणा के कुरूक्षेत्र में 21 दिसम्बर से 25 दिसम्बर, 2020 तक होने वाले अन्तरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क अधिकारी आशीष मिश्र को पांच हजार एक दीए भेंटकर सहभागिता की शुभकामनाएं दी।

कुलपति ने बताया कि अवध विश्वविद्यालय ने दिव्य दीपोत्सव में लगातार चार बार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी सद्प्रयास से कुरूक्षेत्र के गीता महोत्सव में अपनी पहचान बरकरार रखने के लिए अवध विश्वविद्यालय की ओर से पांच हजार एक दीए आशीष मिश्र के सहयोग से जलाये जायेंगे।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा वर्ष 2017 में शुरू किए गए दीपोत्सव आयोजन को सफल बनाने में अवध विश्वविद्यालय की अहम भूमिका रही है। 2017 से 2019 तक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज किया।

इस वर्ष भी अवध विश्वविद्यालय ने कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के कुशल निर्देशन में 6 लाख से अधिक दीए जलाकर नया विश्व रिकार्ड बनाया है। दीपोत्सव के सम्बन्ध में कुरूक्षेत्र विकास बोर्ड ने कुलपति प्रो0 सिंह से आशीष मिश्र की सेवाएं मांगी है। कुलपति से सहमति प्राप्त करते हुए गीता महोत्सव को सफल बनाने में अवध विश्वविद्यालय भी अपनी अहम भूमिका निभाएगा। विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन में कुलपति प्रो0 सिंह द्वारा आशीष मिश्र को दीए प्रदान करते समय अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक, गिरीशचन्द्र पंत सहित अन्य उपस्थित रहे।

•अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रो0 विनोद कुमार श्रीवास्तव को उत्तर प्रदेश आर्टिस्ट एसोसिएशन के द्वारा वर्ष 2020 के शैक्षणिक सांस्कृतिक एवं कलात्मक विधाओं के विकास एवं प्रोत्साहन के लिए यूपीएए अवार्ड–2020 से सम्मानित किया गया।

•अवध विश्वविद्यालय के योगोपचार विभाग एवं अखिल भारतीय योग शिक्षक महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में परिसर स्थित ध्यान केन्द्र में मकर संक्रांति के अवसर पर सामूहिक सूर्य नमस्कार आयोजित किया गया।

•क्षेत्रीय सेवा योजना, राजकीय आईटीआई, कौशल विकास मिशन एवं अवध विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 12 जनवरी, 2021 को विश्वविद्यालय में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया।

•अवध विश्वविद्यालय ने पद्मश्री अरूणिमा सिन्हा भवन में स्थापित जिम 15 जनवरी, 2021 से विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं के लिये खोल दिया जायेगा।

•अवध विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति अभियान के तहत 'महिला सशक्तीकरण में सरकार की कियान्वयन नीति' विषय पर 11 जनवरी, 2021 को एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

स्वच्छता सामाजिक जीवन की एक अनिवार्य दिनचर्या है : कुलपति

09 जनवरी। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में स्वैच्छिक श्रमदान एवं साफ–सफाई अभियान के क्रम में परिसर के प्रचेता भवन स्थित मैदान में वृहद स्वैच्छिक श्रमदान एवं साफ–सफाई किया गया। इस अभियान का नेतृत्व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने दोनों परिसरों के शिक्षकों एवं कर्मचारियों के साथ श्रमदान कर साफ–सफाई की। स्वैच्छिक श्रमदान अभियान विश्वविद्यालय परिसर में गत अक्टूबर माह से प्रत्येक शनिवार को सुबह आयोजित किया जाता है, जिसमें परिसर के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों द्वारा परिसर की साफ–सफाई की विशेष मुहिम चलाई जा रही है। परिसर को ग्रीन एवं क्लीन बनाये रखने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन प्रतिबद्ध है।

प्रत्येक शनिवार को शुरू किए गए स्वैच्छिक अभियान पर कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि स्वच्छता सामाजिक जीवन की एक अनिवार्य दिनचर्या है, इससे व्यक्ति स्वस्थ रहकर समाज को एक सकारात्मक संदेश देता है। भारतीय जीवन शैली में स्वच्छता को प्रमुखता के साथ आत्मसात् किया गया है। कोविड–19 का संक्रमण भारत देश में अन्य देशों की अपेक्षा कम हुआ है। इसका प्रमुख कारण हमारी जीवन शैली रहन–सहन एवं व्यक्तिगत स्वच्छता माना जा सकता है। भारत का ग्रामीण अंचल इसका प्रमु ख उदाहरण है। कुलपति प्रो0 सिंह ने कहा कि

स्वच्छता का सकारात्मक असर हमारे स्वस्थ परिवेश के निर्माण से जुड़ा है। इस अभियान में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी कर परिसर को कचरा मुक्त बनाने का संकल्प लिया है।

स्वैच्छिक श्रमदान में कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह, प्रो0 अशोक शुक्ल, प्रो0 चयन कुमार मिश्र, प्रो0 एस0एस0 मिश्र, प्रो0 आशुतोष सिन्हा, प्रो0 के0के0वर्मा, प्रो0 नीलम पाठक, प्रो0 आर0के0 सिंह, प्रो0 फारूख जमाल, प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, स्वच्छता प्रभारी डॉ0 विनोद चौधरी, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, प्रो0 अनूप कुमार, प्रो0 रमापति मिश्र, डॉ0 नरेश चौधरी, डॉ0 गीतिका श्रीवास्तव, डॉ0 नीलम सिंह, डॉ0 शशि सिंह, डॉ0 दीपशिखा चौधरी, डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ0 राजेश सिंह कुशवाहा, डॉ0 अनुराग पाण्डेय, डॉ0 त्रिलोकी यादव, डॉ0 अर्जुन सिंह, डॉ0 महेन्द्र पाल, डॉ0 श्रीश अस्थाना, डॉ0 विनय मिश्र, डॉ0 आर0एन0 पाण्डेय, डॉ0 अनिल विश्वा, डॉ0 दिनेश सिंह, डॉ0 मुकेश वर्मा, डॉ0 अनिल सिंह, डॉ0 अनुराग तिवारी, जूलियस कुमार, डॉ0 राजेश सिंह, गिरीशचंद पंत, सुरेश प्रसाद, अरूण सिंह, राजीव कुमार, सुधीर सिंह, आशीष जायसवाल सहित दोनो परिसरों के बड़ी संख्या में शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीएचडी सामान्य प्रवेश परीक्षा के लिए साक्षात्कार प्रारम्भ

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के पी–एचडी0 सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईटी–2020) के समन्वयक प्रो० शैलेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि 19 जनवरी को फिजिक्स एंड इलेक्ट्रॉनिक्स, 21 जनवरी से 22 जनवरी तक संस्कृत, 23 जनवरी को वनस्पति विज्ञान एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, 28 जनवरी से 29 जनवरी तक राजनीति शास्त्र, 03 फरवरी से 04 फरवरी तक समाजशास्त्र एवं वाणिज्य 05 फरवरी से 06 फरवरी तक प्राचीन इतिहास विषय के साक्षात्कार निर्धारित स्थलों पर नियत समय पर आयोजित किए जाएंगे। साक्षात्कार के लिए अभ्यर्थियों को प्रातः 10:00 बजे निर्धारित स्थल पर उपस्थिति दर्ज करानी होगी। इन विषयों में साक्षात्कार के लिए अर्ह अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्रों की सघन जांच के उपरांत अभ्यर्थियों को साक्षात्कार परिषद के समक्ष उपस्थित होना होगा। उपरोक्त विषयों के साक्षात्कार के लिए अर्ह अभ्यर्थियों को ईमेल तथा एस0एम0एस0 अलर्ट प्रेषित किया जा चुका है।

प्रो० वर्मा ने बताया कि पी–एचडी0 (सीईटी–2020) प्रवेश के लिए साक्षात्कार के लिए समय–सारिणी वेबसाइट www.phdadmission.rmlauentrance.in पर उपलब्ध है। इस वेबसाइट से अभ्यर्थियों द्वारा साक्षात्कार पत्र को डाउनलोड किया जा सकता है। अद्यतन सूचना के लिए अभ्यर्थी उपरोक्त वेबसाइट का नियमित अवलोकन करते रहें। प्रो० वर्मा ने बताया कि जिन विषयों के साक्षात्कार विवरण समय सारिणी में नहीं प्रदर्शित हैं उनकी साक्षात्कार तिथि नियत होते ही सूचना वेबसाइट पर तथा अर्ह अभ्यर्थियों को ईमेल एवं एस० एम० एस० से प्रेषित की जाएगी। पी–एचडी0 सामान्य प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रो० शैलेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि पी–एचडी0 में प्रवेश के लिए दिनांक 05 जनवरी 2021 से साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं। अब तक सूक्ष्म जीव विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, उर्दू, जैव रसायन, दर्शनशास्त्र, व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता, भौतिक विज्ञान, मनोविज्ञान, अंग्रेजी, गणित एवं सांख्यिकी, रसायन विज्ञान, सैन्य विज्ञान, अर्थशास्त्र, जंतु विज्ञान तथा गणित विषय के लिए शोधार्थियों के चयन के लिए साक्षात्कार का आयोजन किया जा चुका है। कुल 27 विषयों के पी–एच0डी0 पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा 08 नवम्बर, 2020 को आयोजित की गयी थी जिसका परिणाम 04 दिसम्बर 2020 को जारी किया गया था ।

समन्वयक प्रो० वर्मा ने बताया कि माननीय कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह जी के दिशा निर्देश पर कोविड–19 के अनुपालन में पी–एचडी0 सामान्य प्रवेश परीक्षा के साक्षात्कार का आयोजन किया जा रहा है। साक्षात्कार की शुचिता और विश्वसनीयता स्थापित करने के लिए कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह जी के मार्गदर्शन पर प्रवेश समिति के सदस्य डॉ० नरेश चौधरी, डॉ० गीतिका श्रीवास्तव, डॉ० नीलम यादव, डॉ० अभिषेक सिंह, डॉ० राजेश सिंह कुशवाहा, डॉ० आशुतोष सिंह, प्रोग्रामर रवि मालवीय, मनोज श्रीवास, अनुराग श्रीवास्तव, ओमप्रकाश चौरसिया एवं अन्य, अभ्यर्थियों के परीक्षा सम्बन्धी व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने में निरन्तर सक्रिय योगदान दे रहे हैं।

इंटरनेट ऑफ थिंग्स टेक्नोलॉजी पर एफडीपी का आयोजन

17दिसम्बर। राममनोहर अवध विश्व–विद्यालय के आई0ई0टी0 में ऑल इंडिया टेक्निकल एजुकेशन द्वारा आयोजित इंटरनेट ऑफ थिंग्स टेक्नोलॉजी विषय पर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का ऑनलाइन आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता नेताजी सुभाष चंद्र बोस यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रो0 मंजू खारी ने बताया कि इंटरनेट ऑफ थिंग्स टेक्नोलॉजी एक ऐसा प्लेटफार्म है जिसके द्वारा सभी डिवाइसेस को आपस में कनेक्ट किया जा सकता है और इसे रिमोटली कण्ट्रोल भी किया जा सकता है। कार्यक्रम में अल्बोर्ग यूनिवर्सिटी डेनमार्क के डॉ0 कमल ने बताया कि कैसे डेनमार्क में इस टेक्नोलॉजी का प्रयोग करके गवर्नमेंट अपने सिस्टम को स्मार्ट बना रही है।

रायपुर के नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रो0 डॉ0 पवन कुमार मिश्रा ने 5जी टेक्नोलॉजी एवं इंटरनेट ऑफ थिंग्स टेक्नोलॉजी पर व्याख्यान दिया। संस्थान के ही डॉ0 रवि प्रकाश पांडेय ने अपने व्याख्यान में इस टेक्नोलॉजी द्वारा किसी व्यक्ति या वस्तु की पहचान का प्रायोगिक प्रदर्शन किया।

थॉमसन रायटर्स के रिसर्च एंड डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के डॉ0 संदीप कुमार ने बताया कि इंटरनेट ऑफ थिंग्स टेक्नोलॉजी में प्रयोग में आने वाले सेंसर्स को डिजाइन किया जा सकता है। डाटा को कलेक्ट करके मशीन लर्निंग टेक्नोलॉजी द्वारा एनालिसिस किया जा सकता है। आई0ई0टी0 के निदेशक प्रो0 रमापति मिश्र ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बताया कि इंटरनेट और डिजिटल तकनीक के मेल ने इस विश्व को मॉडर्न एवं स्मार्ट बना दिया है। कार्यक्रम के संयोजक अमित सिंह भाटी ने विश्वविद्यालय के कुलपति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा से यह कार्यक्रम हो रहा है।

पत्रकारिता में कड़ी मेहनत ही सफलता का मूल मंत्र है : डॉ0 दिग्विजय

13 जनवरी। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में 'वर्तमान परिवेश में पत्रकारिता की चुनौतियां' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जौनपुर के वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के डॉ0 दिग्विजय सिंह राठौर, ने बताया कि पत्रकारिता एक सृजन की विधा है। इसके लिए छात्रों को निरंतर अध्ययन कर सामयिक विषयों से अपडेट रहना होगा। कार्य के प्रति सचेत रहकर मूल्यों का संरक्षण कर सकते हैं। पत्रकारिता अन्य कार्य क्षेत्र से बिल्कुल अलग विधा है। इसके लिए विद्यार्थियों को सकारात्मक रहकर अनुभवी लेखकों, साहित्यकारों, पत्रकारों का अनुसरण करना आवश्यक है तभी परिपक्वता की तरफ बढ़ पाएंगे। स्वयं को ज्ञानवान समझना बड़ी भूल हो सकती है। पत्रकारिता में कड़ी मेहनत ही सफलता का मूल मंत्र है। डॉ0 राठौर ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में अवसर के नए परिवेश के नियम का निर्माण हो रहा है। इसके लिए तकनीकी ज्ञान होना आवश्यक है। वर्तमान परिवेश में पत्रकारिता दिनों–दिन तकनीक आधारित हो रही है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभाग के समन्वयक डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि पत्रकारिता में निरंतर परिश्रम एवं संकल्प से लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। इसमें कई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता है। पत्रकारिता के क्षेत्र में हो रहे बदलाव अवसरों को जन्म दे रहे हैं। स्वागत उद्बोधन में डॉ0 राजेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि आज की पत्रकारिता में कंप्यूटर ज्ञान एक आवश्यक योग्यता है। भाषा विज्ञान पर छात्रों को कठिन परिश्रम कर शाब्दिक त्रुटियों से बचना चाहिए। कार्यक्रम में अतिथि का स्वागत विभाग के शिक्षक डॉ0 राज नारायण पांडेय एवं डॉ0 अनिल कुमार विश्वा ने स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र प्रदान कर किया। इस अवसर पर विभागीय लिपिक लालजी मौर्य सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओ कीं उपस्थिति रही।

शिक्षकों एवं कर्मचारियों को मिला स्मार्ट आईकार्ड

23 दिसम्बर। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के द्वारा कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में शिक्षकों एवं कर्मचारियों को स्मार्ट आई कार्ड का वितरण किया गया। इस बार का स्मार्ट आई–कार्ड पूर्व के आई–कार्ड के मुकाबले बेहतर फीचर से लैस किया गया है। इसमें व्यक्तिगत की जानकारी के अलावा क्यू आर कोड दिया गया है जिससे व्यक्ति की पूरी जानकारी प्राप्त हो सकेगी। स्मार्ट कार्ड वितरण के समय कुलपति प्रो0 सिंह ने कहा कि किसी भी संस्थान में कार्यरत व्यक्ति के लिए आई–कार्ड होना आवश्यक है। संस्थान में कार्य करने वाले व्यक्ति की पहचान आसानी से हो सकती है। कुलपति ने कहा कि प्रत्येक शिक्षक एवं कर्मचारी संस्थान द्वारा निर्गत पहचान पत्र को साथ में रखे जिससे किसी भी आपात की स्थिति में आपकी सहायता की जा सके। इसी क्रम में प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह ने कहा कि कुलपति प्रो0 सिंह के निर्देश पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों को स्मार्ट आई–कार्ड वितरण किया गया है। इस कार्ड को पहले के मुकाबले बेहतर बनाया गया है। क्यू आर कोड के माध्यम से व्यक्ति की पूरी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। स्मार्ट कार्ड वितरण के समय प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ0 वंदना रंजन, डॉ0 नीलम यादव, डॉ0 अनिल यादव, डॉ0 अशोक कुमार राय, डॉ0 अजय कुमार सिंह, डॉ0 श्रीश अस्थाना, डॉ0 राजेश सिंह कुशवाहा, डॉ0 अभिषेक सिंह, कपिल देव, डॉ0 अनिल कुमार विश्वा, अरूण सिंह, गणेश शंकर, सहित अन्य उपस्थित रहे।

जागरूकता के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

12 जनवरी। अवध विश्वविद्यालय के समाजकार्य विभाग एवं विश्वविद्यालय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा ग्राम डाभा सेमर में प्राथमिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य शिविर को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि हमारे देश की 70 प्रतिशत आबादी गांव में निवास करती है, लेकिन गांव के निवासी अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नहीं है। गंभीर बीमारी से ग्रसित होने पर ही वे अपना उपचार करवाते है। अब इन शिविरों के माध्यम से ग्रामवासियों की प्राथमिक स्तर पर जांच की जायेगी और उनका इलाज संभव हो सकेगा।

विश्वविद्यालय के मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति हमेशा जागरूक रहना चाहिए। समय–समय पर स्वास्थ्य संबंधित जांच कराते रहना चाहिए। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्साधिकारी डॉ0 दीपशिखा चौधरी ने कुलपति प्रो0 सिंह को बुके भेंटकर स्वागत किया। शिविर का संचालन समाजकार्य विभाग के समन्वयक डॉ0 विनय मिश्र ने किया। डॉ0 दिनेश सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। शिविर में डा0 अरुण पटेल, डा0 गरिमा गौतम, डा0 विवेक वर्मा सहित विभाग के छात्र–छात्राओं की उपस्थिति रही।